राज्यपाल सचिवालय, विहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

सरलता, सादगी और सज्जनता के अप्रतिम उदाहरण थे
देशरत्न राजेन्द्र प्रसाद–राज्यपाल

पटना, 03 दिसम्बर 2017

''सरलता, सादगी और सज्जनता के अप्रतिम उदाहरण भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद की जीवन–शैली एवं कार्यशैली में राष्ट्रपति होने पर भी कोई परिवर्तन नहीं देखा गया। राष्ट्रपति भवन में रहने वाले राजेन्द्र बाबू ने बाद में बिहार विद्यापीठ के खपड़ैल मकान में रहना पसंद किया। यह उनके जीवन की सरलता–सहजता, सिद्धांत और आचरण की एकरूपता तथा ईमानदारी का ही परिचायक है।''–उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक ने स्थानीय बिहार विद्यापीठ के परिसर में आयोजित देशरत्न डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद जन्मोत्सव को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार विद्यापीठ स्वतंत्रता–आन्दोलन के दौरान भारतीय राजनीति का प्रमुख केन्द्र था। शिक्षा नीति और राजनीति दोनों यहाँ से संचालित होती थी। अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल ने पंडित जवाहर लाल नेहरू एवं श्रीमती सरोजिनी नायडू के राजेन्द्र बाबू के बारे में व्यक्त विचारों को उद्धृत करते हुए कहा कि उनकी वाणी, कलम और जीवन–शैली में अद्‌भुत सहजता और आकर्षण है।

राज्यपाल ने कहा कि मौलाना मजहरूल हक, डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद जी और ब्रजकिशोर बाबू, जो कि बिहार विद्यापीठ के तब क्रमशः कुलपति, कुलसचिव और उप–कुलपति थे, ने इस संस्था को राष्ट्रपिता गाँधीजी के सपनों के अनुरूप व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करने वाली एक संस्था के रूप में तैयार किया था। श्री मलिक ने कहा कि इस संस्था को विकसित करने की दिशा में सार्थक प्रयास होने चाहिए। राज्यपाल ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि यह स्थल अत्यत्न प्रेरणादायी है और वे यहाँ बराबर आते रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने डॉ॰ तारा सिन्हा की पुस्तक 'युगपुरूष' डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद को लोकार्पित करते हुए कहा कि इस पुस्तक में पूज्य राजेन्द्र बाबू के व्यक्तित्व–कृतित्व के साथ–साथ, स्वतंत्रता कालीन भारतीय राजनीति का इतिहास भी मुखरित हुआ है। उन्होंने पुस्तक–रचना के लिए श्रीमती सिन्हा को बधाई दी।

कार्यक्रम को बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष श्री विजय प्रकाश, डॉ॰ तारा सिन्हा, प्रो॰ मंगलमूर्ति आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, बिहार विद्यापीठ के मंत्री श्री राणा अवधेश कुमार, प्रबंध समिति की सदस्य श्रीमती मृदुला प्रकाश आदि भी उपस्थित थे।

इसके पूर्व राज्यपाल श्री मलिक बिहार विद्यापीठ स्थित राजेन्द्र स्मृति संग्रहालय भी देखने गये तथा राजेन्द्र बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

.....